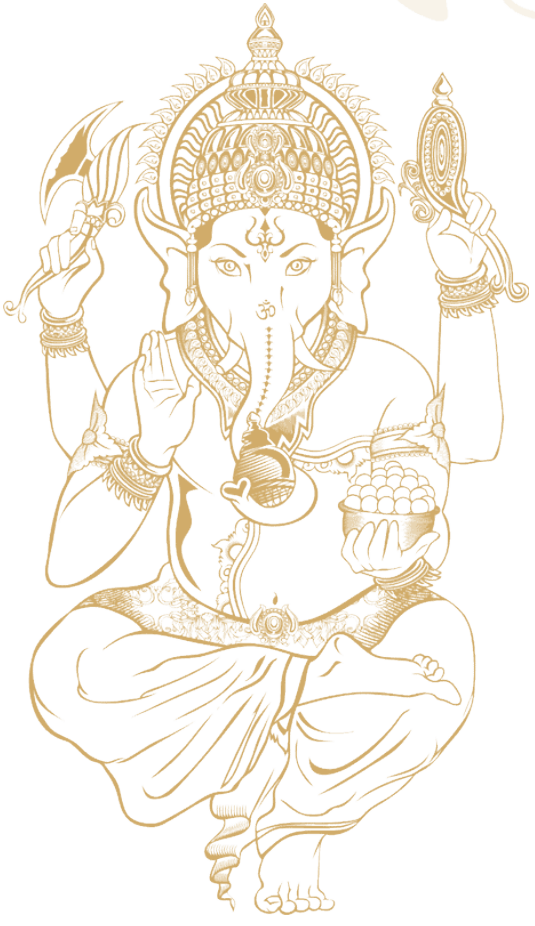

Vishal

23 Nov 2003

09:50 AM

Kathua

Model: web-freekundliweb

Order No: 121897002

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/11/2003**
दिन	रविवार
जन्म समय	**09:50:00 घंटे**
इष्ट	06:54:44 घटी
स्थान	**Kathua**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:22:00 उत्तर
रेखांश	75:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:27:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:22:04 घंटे
वेलान्तर	00:13:46 घंटे
साम्पातिक काल	13:29:01 घंटे
सूर्योदय	07:04:06 घंटे
सूर्यास्त	17:24:14 घंटे
दिनमान	10:20:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:32:22 वृश्चिक
लग्न के अंश	11:58:10 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शोभन
करण	चतुष्पाद
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	तू-तुकाराम
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	11:58:10	343:07:54	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
सूर्य			वृश्चि	06:32:22	01:00:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			तुला	25:29:43	15:11:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
मंगल			कुंभ	23:19:38	00:30:18	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
बुध			वृश्चि	22:24:56	01:28:01	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	सम राशि
गुरु			सिंह	22:20:58	00:07:12	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			धनु	01:17:29	01:14:31	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मिथु	18:36:37	00:02:59	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु			मेष	26:34:36	00:00:03	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	26:34:36	00:00:03	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	05:04:45	00:00:45	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप			मक	16:45:54	00:01:02	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	25:08:06	00:02:11	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			तुला	00:07:32	--	चित्रा	--	14	शुक्र	मंगल	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:27

लग्न-चलित

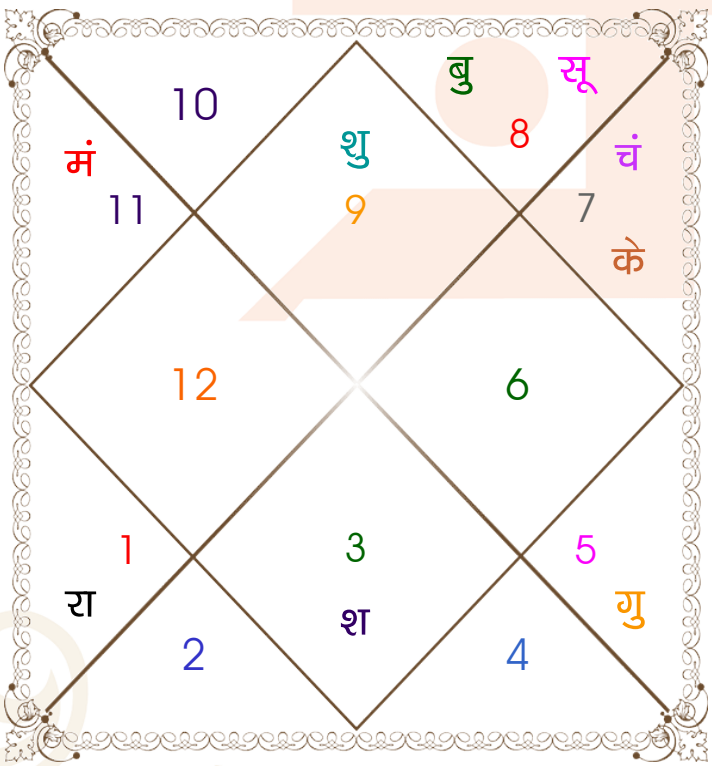

चन्द्र कुंडली

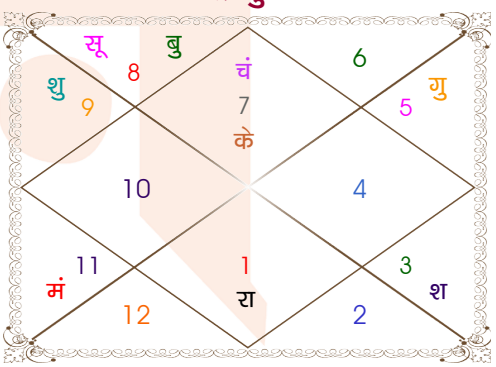

नवमांश कुंडली

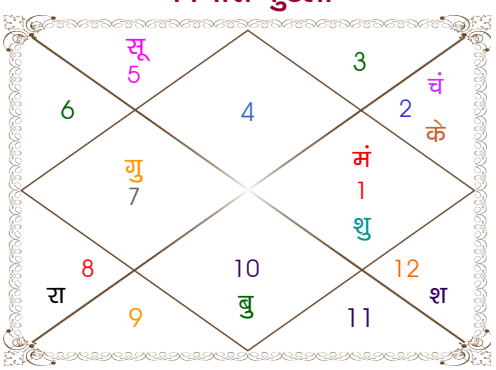

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 4 मास 26 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
23/11/2003		19/04/2013		19/04/2032		19/04/2049		19/04/2056	
19/04/2013		19/04/2032		19/04/2049		19/04/2056		19/04/2076	
	00/00/0000	शनि	22/04/2016	बुध	16/09/2034	केतु	15/09/2049	शुक्र	20/08/2059
	23/11/2003	बुध	31/12/2018	केतु	13/09/2035	शुक्र	16/11/2050	सूर्य	19/08/2060
बुध	26/03/2004	केतु	09/02/2020	शुक्र	14/07/2038	सूर्य	23/03/2051	चंद्र	20/04/2062
केतु	02/03/2005	शुक्र	11/04/2023	सूर्य	20/05/2039	चंद्र	23/10/2051	मंगल	20/06/2063
शुक्र	01/11/2007	सूर्य	23/03/2024	चंद्र	19/10/2040	मंगल	20/03/2052	राहु	19/06/2066
सूर्य	19/08/2008	चंद्र	22/10/2025	मंगल	16/10/2041	राहु	07/04/2053	गुरु	17/02/2069
चंद्र	19/12/2009	मंगल	01/12/2026	राहु	04/05/2044	गुरु	14/03/2054	शनि	19/04/2072
मंगल	25/11/2010	राहु	07/10/2029	गुरु	10/08/2046	शनि	23/04/2055	बुध	18/02/2075
राहु	19/04/2013	गुरु	19/04/2032	शनि	19/04/2049	बुध	19/04/2056	केतु	19/04/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
19/04/2076		20/04/2082		19/04/2092		20/04/2099		20/04/2117	
20/04/2082		19/04/2092		20/04/2099		20/04/2117		00/00/0000	
सूर्य	07/08/2076	चंद्र	18/02/2083	मंगल	15/09/2092	राहु	01/01/2102	गुरु	09/06/2119
चंद्र	05/02/2077	मंगल	19/09/2083	राहु	04/10/2093	गुरु	27/05/2104	शनि	20/12/2121
मंगल	13/06/2077	राहु	20/03/2085	गुरु	10/09/2094	शनि	03/04/2107	बुध	24/11/2123
राहु	08/05/2078	गुरु	20/07/2086	शनि	19/10/2095	बुध	20/10/2109		00/00/0000
गुरु	24/02/2079	शनि	18/02/2088	बुध	16/10/2096	केतु	07/11/2110		00/00/0000
शनि	06/02/2080	बुध	20/07/2089	केतु	14/03/2097	शुक्र	07/11/2113		00/00/0000
बुध	13/12/2080	केतु	18/02/2090	शुक्र	14/05/2098	सूर्य	02/10/2114		00/00/0000
केतु	19/04/2081	शुक्र	19/10/2091	सूर्य	19/09/2098	चंद्र	02/04/2116		00/00/0000
शुक्र	20/04/2082	सूर्य	19/04/2092	चंद्र	20/04/2099	मंगल	20/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 4 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के चतुर्थपाद से धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल कर्क राशि का नवमांश एवं मेष राशि का द्रेष्काण भी उदित हुआ था। अपने जन्माकृति एवं जन्म लग्नादि के प्रभाव से आपका जन्म उज्जवल भविष्य का सूचक है। परंतु इस स्वच्छ वातावरण में किञ्जित मात्र कालिमा बिंदु कतिपय अप्रियता की सूचना यह दे रहा है कि यह संभाव्य है कि आपको अपने पिता के साथ सुखदायक क्षणों का अधिक समय तक आनंद प्राप्त न कर सके। तथापि आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ सदैव व्यवहार में न्यूनता रहे तथा आपकी समझ से अपने बच्चों को अच्छा व्यवहार दें। साथ ही आपकी उन्नति धार्मिक आचरण के प्रति दिलचस्पी लेने से होगी। आप अपने जीवन में धर्म एवं दर्शन के प्रति समर्पित होकर उन्नति प्राप्त करें ऐसा संभाव्य है।

वृश्चिक राशीय गुण एवं प्रभाव के अनुसार आपकी धारण अच्छी रहेगी तथा आपका लक्ष्य भी उच्च स्तर का रहेगा। फलस्वरूप आप अपने लक्ष्य को महत्वपूर्ण ढंग से व्यवस्थित कर सकते हैं। परंतु आप अपने मन की अवधारणा को एकाग्रता पूर्वक सुनिश्चित कर लें कि एक समय एक ही कार्य उद्देश्य को अपना कर कार्यान्वित करें। आप अपनी इस प्रकार की अभिलाषा को विचारपूर्वक दमन करें कि एक ही समय पर अन्य कार्य को संपादित नहीं करें। इसके पश्चात मात्र अपनी अभिलाषित परियोजन से ही संतुष्ट होकर पुनः दूसरे कार्य व्यवसाय को प्रारंभ करने की अभिलाषा रखें। आप अपने अभ्युदय हेतु धार्मिक आयोजन की आकांक्षा रखे।

आपकी अंतिम अभिलाषा मानवीय गुणों से युक्त हैं तथा आप पूर्ण रूपेण इस विषय पर चिन्तनशील रहते हैं। आपके पास अत्यंत धन संपति होगा एवं आप सामाजिक लोकप्रियता का आनंद प्राप्त करेंगे तथा अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु अपने कार्य कलाप से सफलता प्राप्त करेंगे। आप प्रसन्नतापूर्वक भाग्यशाली होंगे। आप क्रीड़ा एवं खेलकूद के अतिरिक्त बाहरी कार्य व्यवसाय के साथ-साथ भ्रमणशील कार्य क्रम के प्रति भी आपके दिल में अनुराग रहेगा। अर्थात् आप दूर-दूर तक भ्रमण करेंगे। आप अपने मित्र मंडली के विस्तार हेतु भी सक्षम हैं। परंतु तब आपके अनेक प्रतिपक्षी भी उत्पन्न हो जाएगें। क्योंकि आप वर्हिमुखी प्रवृति के प्राणी हैं। आप जनसामान्य के मध्य कुछ बातें हवा में करेंगे। इस प्रकार की विचारधारा की लोग निंदा करेंगे तथा इस विषय की प्रतिक्रिया अन्यों के मन में होगी। आप अपने जीवन में तथ्यपूर्ण विषयों पर विश्वसनीयता बनाए रखें। आप कुछ तथ्यों की प्राप्ति हेतु अपने घर में सदैव सत्य वचन बोलें। तब ही आप सभी लोगों से अपेक्षित रहेंगे तथा बहुत लोग आपके आचरण को स्वीकृत करेंगे सभी लोग आप से ऐसी आकांक्षा रखते हैं तथा आपको पुरस्कार एवं सम्मान देना प्रारंभ कर देंगे। इसलिए आप स्पष्ट रूप से अन्यों के साथ प्रेम प्रसांगिक दिलचस्पी न लें। ऐसा दृश्य हो रहा है कि आप के जीवन के प्रथम भाग्योन्नति की अवधि आपके जीवन के 27 वें एवं 31 वे वर्ष का समय स्वर्णिम काल प्रमाणित होगा। तब से आपका भाग्य अनुकूलता प्रदान करेगा। इस समयावधि में आप धन-संपति का संचय कर धनी बन जाएंगे तथा इस धन को शीत गृह की तरह संचित कर लिए तो आपके जीवन में कभी धन का अभाव नहीं रहेगा।

आपके स्वाभावानुगत, ज्ञान एवं उत्तेजनात्मक व्यवसायों में उत्तम एवं अनुकूल व्यवसाय जेनरालिज्म, पत्रकारिता, वकालत पेशा, राजनीति धार्मिक संस्थाओं से संबंधित अथवा शैक्षणिक संस्थाओं का संचालन आपके लिए उत्तम रहेगा।

यदि आप अपने स्वास्थ्य के संबंध में अनुकूलता बरतते रहे तो आप बहुत अधिक आयु तक स्वस्थ एवं प्रसन्न रहेंगे। तथापि आपको भविष्य में वायु-रोग, गठिया, कफ, ज्वाइन्ट पेन, रक्तचाप आदि रोग से सतर्क रहना उत्तम होगा।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 5, 3, 6 एवं 8 अंक भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त अंक, 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।